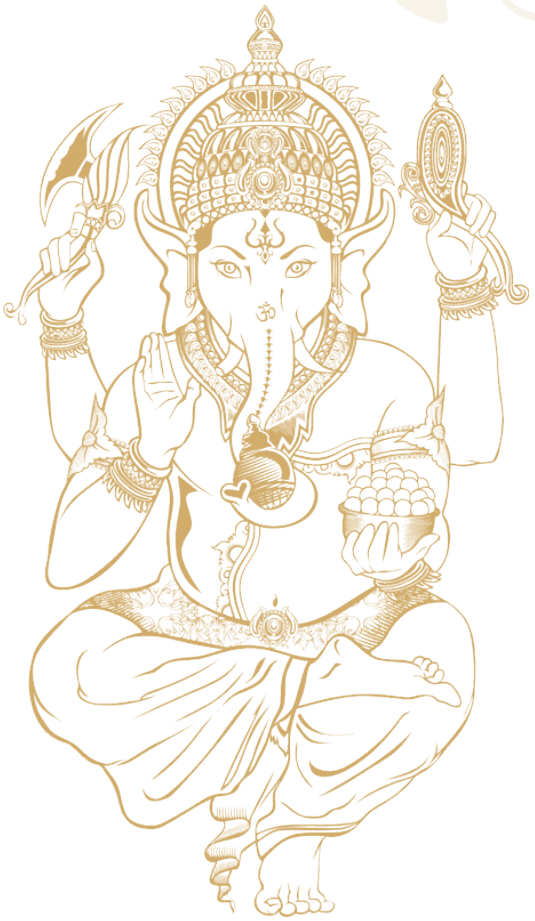

Ch

03 Apr 2024

12:54 PM

Kangra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121269407

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/04/2024**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**12:54:00 घंटे**
इष्ट	16:48:08 घटी
स्थान	**Kangra**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	32:04:00 उत्तर
रेखांश	76:16:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:29:04 घंटे
वेलान्तर	-00:03:10 घंटे
साम्पातिक काल	01:17:33 घंटे
सूर्योदय	06:10:44 घंटे
सूर्यास्त	18:46:02 घंटे
दिनमान	12:35:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	19:50:06 मीन
लग्न के अंश	06:13:13 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शिव
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जा-जामवंत
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	06:13:13	301:44:06	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	---
सूर्य			मीन	19:50:06	00:59:09	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मक	04:48:00	13:58:02	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	सम राशि
मंगल			कुंभ	14:36:46	00:46:41	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	सम राशि
बुध	व		मेष	02:54:48	00:09:32	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मेष	23:39:23	00:13:00	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	मित्र राशि
शुक्र			मीन	03:30:32	01:14:09	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	उच्च राशि
शनि			कुंभ	19:39:48	00:06:41	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	मूलत्रिकोण
राहु			मीन	21:26:05	00:00:09	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
केतु			कन्या	21:26:05	00:00:09	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मेष	26:42:11	00:02:56	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	---
नेप			मीन	03:47:50	00:02:12	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:42:17	00:00:50	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			मीन	26:47:24	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:11:40

लग्न-चलित

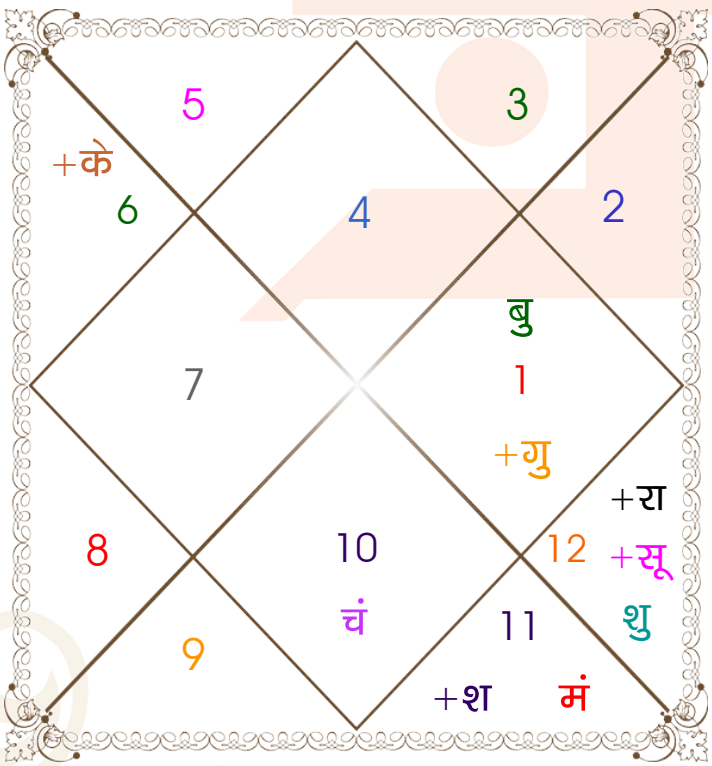

चन्द्र कुंडली

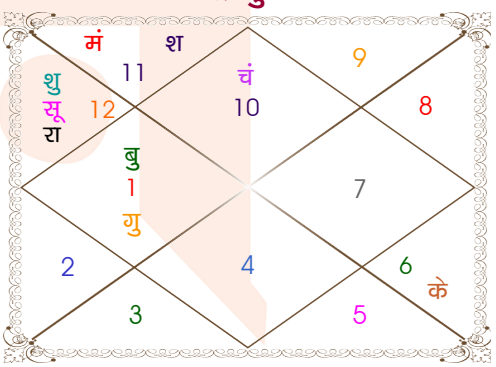

नवमांश कुंडली

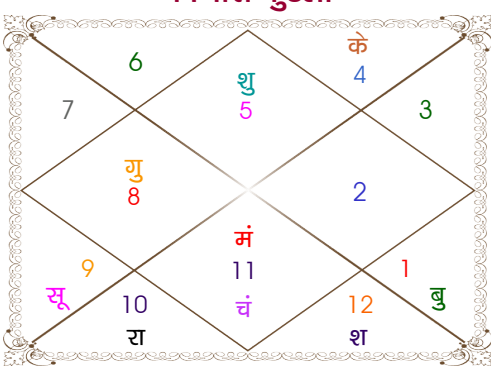

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 4 मास 2 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
03/04/2024		06/08/2026		05/08/2036		06/08/2043		05/08/2061	
06/08/2026		05/08/2036		06/08/2043		05/08/2061		05/08/2077	
	00/00/0000	चंद्र	06/06/2027	मंगल	01/01/2037	राहु	18/04/2046	गुरु	24/09/2063
	00/00/0000	मंगल	05/01/2028	राहु	20/01/2038	गुरु	11/09/2048	शनि	06/04/2066
	00/00/0000	राहु	06/07/2029	गुरु	27/12/2038	शनि	19/07/2051	बुध	12/07/2068
	00/00/0000	गुरु	05/11/2030	शनि	05/02/2040	बुध	04/02/2054	केतु	18/06/2069
	03/04/2024	शनि	05/06/2032	बुध	01/02/2041	केतु	23/02/2055	शुक्र	17/02/2072
शनि	24/05/2024	बुध	05/11/2033	केतु	30/06/2041	शुक्र	22/02/2058	सूर्य	05/12/2072
बुध	31/03/2025	केतु	06/06/2034	शुक्र	30/08/2042	सूर्य	17/01/2059	चंद्र	06/04/2074
केतु	05/08/2025	शुक्र	05/02/2036	सूर्य	05/01/2043	चंद्र	18/07/2060	मंगल	13/03/2075
शुक्र	06/08/2026	सूर्य	05/08/2036	चंद्र	06/08/2043	मंगल	05/08/2061	राहु	05/08/2077

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
05/08/2077		05/08/2096		06/08/2113		06/08/2120		06/08/2140	
05/08/2096		06/08/2113		06/08/2120		06/08/2140		00/00/0000	
शनि	08/08/2080	बुध	02/01/2099	केतु	03/01/2114	शुक्र	07/12/2123	सूर्य	24/11/2140
बुध	18/04/2083	केतु	30/12/2099	शुक्र	05/03/2115	सूर्य	06/12/2124	चंद्र	25/05/2141
केतु	27/05/2084	शुक्र	31/10/2102	सूर्य	11/07/2115	चंद्र	07/08/2126	मंगल	30/09/2141
शुक्र	28/07/2087	सूर्य	06/09/2103	चंद्र	09/02/2116	मंगल	07/10/2127	राहु	25/08/2142
सूर्य	09/07/2088	चंद्र	05/02/2105	मंगल	07/07/2116	राहु	07/10/2130	गुरु	13/06/2143
चंद्र	07/02/2090	मंगल	02/02/2106	राहु	25/07/2117	गुरु	07/06/2133	शनि	04/04/2144
मंगल	19/03/2091	राहु	21/08/2108	गुरु	01/07/2118	शनि	06/08/2136		00/00/0000
राहु	23/01/2094	गुरु	27/11/2110	शनि	10/08/2119	बुध	07/06/2139		00/00/0000
गुरु	05/08/2096	शनि	06/08/2113	बुध	06/08/2120	केतु	06/08/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 3 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का ही द्रेष्काण उदित था। जिससे यह संकेत मिलता है कि आप संतुलित ढंग से स्वस्थ्य रहकर, आनन्ददायक सुव्यवस्थित एवं उत्तम पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप विद्वान एवं सामाजिक प्रभाव से आदरणीय समझे जाएंगे। आप सुखद एवं मधुरतम जलीय यात्रा करेंगे। आप के जीवन के 36 वें वर्ष से सुन्दर और भाग्यशाली मार्ग प्रशस्त होंगे।

आपमें यह गुण विद्यमान है कि आप अपनी आवश्यकताओं को नियंत्रित रख कर उपयोगिता को पसन्द करते हो। आप विश्वासपूर्ण भावनाओं से विभिन्न प्रकार से अन्य लोगों की सहायता करोगे। आप धर्मशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र का अध्ययन करोंगे तथा भगवान के प्रति समर्पित आस्थावान होंगे। आपको धर्मस्थलों/धार्मिक तीर्थों का भ्रमण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा एवं परोपकारी सेवक बन कर सामाजिक कार्य करेंगे। आप दुर्भावनाओं को त्यागकर, धन संचय करने की महत्त्वकांक्षा से प्रेरित रहेंगे। यह संभव है कि आप सभी प्रकार से परिवारिक सदस्यों की सुख सुविधा की व्यवस्था करेंगे।

आप शारीरिक रूप से लम्बे, उन्नत ललाट एवं सुस्पष्ट आँखों से युक्त होंगे। आपकी मनोवृत्ति क्षमतानुसार एवं अवस्थानुसार अग्रसर होगी। आप उन्नति के लिए एक कड़ी के साथ-साथ दूसरी कड़ी भी प्रारम्भ कर सकते हैं।

आपमें ऐसा गुण एवं सामंजस्य विद्यमान है कि आप जन-सामान्य की भावना को तथा परिस्थितियों को विधिवत समझ कर उचित सामंजस्य कर देते हो। परन्तु आप बहुत अधीर हो जाते हो। परिणाम स्वरूप आपका स्वभाव विकृत होकर, हानिप्रद प्रमाणित हो जाता है। यह आवेग क्षणिक है, तथापि शीघ्रतापूर्वक शान्त होकर तेजी से समान्य मनोवृत्ति ग्रहण कर लेते हैं।

आप धनोपार्जन हेतु कुछ विभिन्न प्रकार की पद्धति एवं उपायों का अनुसरण कर लेते हैं। यह सुनिश्चित है कि सतत आप में अन्तर्वाही चतुरता विद्यमान रहेगी।

आपको अपने रोमांचित जीवन के प्रति सचेत रहना चाहिए। आप पूर्णरूपेण उदासीन भाव से अपनी पत्नी से सम्बंधित रहेंगे। बल्कि आप उदासीन रहकर अपना पारिवारिक जीवन बिताएंगे।

आप अपना विवाह सुयोग्य गृहणी के साथ करने की प्राथमिकता देंगे ताकि अच्छे सन्तान का उद्भव हो सके। लेकिन आपके लिए उत्तम तो यह है कि अपनी दिनचर्या स्पष्ट रखें तथा अपना घरेलू जीवन, जीवन संगीनी के लिए आलोचनात्मक न बन सके।

कर्क राशीय प्रवृति के अनुसार आपके स्वभानुकूल वह प्राणी होगा जिसका जन्म मीन अथवा वृश्चिक लग्न राशि में हुआ हो। आपके किशोरावस्था के लिए रोजगार, व्यवसाय अथवा अनुकूल पेशा-वृति नौसेना, सामुदायिक व्यवस्था आयात-निर्यात सिचाई एवं कृषि कार्य उत्तम रहेगा।

संभवतः आपका स्वास्थ्य एवं जीवन अक्षुण नही रहेगा। परन्तु अवस्था की वृद्धि के अनुसार समस्याएँ सुधर कर उत्तम हो जाएगी। आप सदैव ही चिन्तित एवं कुतुहलयुक्त (घबराहट) रहेंगी। अतः आप इन प्रवृतियों को त्याग कर शान्तिपूर्वक रहे और खान-पान पर नियंत्रण रक्खें। मद्यपान का सर्वथा त्याग करे।

आपको कतिपय रोग जैसे गैसस्टिक, अलसर खाँसी सम्बंधी गड़बड़ी एवं गठिया सन्धिबात रोगादि से रक्षित रहना चाहिए।

आपके लिए रंग पीला, लाल, एवं सफेद रंग अनुकूल है। यह समझ लें कि रंग हरा एवं ब्लू रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 3 एवं 5 अंक आपकी उपयोगिता के प्रतिकूल है। अस्तु इनका त्याग करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।